DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 November, 2023

एआई सुरक्षा पर बैलेचली (Bletchley) घोषणा

सन्दर्भ: विगत 1 नवंबर को यूके के एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन के बाद, 28 देशों और यूरोपीय संघ ने मिलकर एआई विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है।

- बैलेचली घोषणा, जिसे अब **वैश्विक एआई सुरक्षा वक्तव्य** के रूप में मान्यता प्राप्त है, मानव कल्याण, शांति और समृद्धि में सुधार करने के लिए एआई की क्षमता को स्वीकार करता है, साथ ही गंभीर नुकसान की इसकी क्षमता को भी उजागर करता है।
- घोषणा के हस्ताक्षरकर्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सूचना साझा करने को प्राथमिकता देने का वादा किया है।
- यह घोषणा एक प्रयास है, जिसमें दुनिया भर के प्रमुख एआई प्रतिभागी भविष्य की पीढ़ियों के लिए एआई जोखिमों को समझने के महत्व पर जोर देने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

हस्ताक्षरकर्ता

- नाइजीरिया, केन्या और रवांडा जैसे अफ्रीकी देशों के साथ-साथ सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे मध्य पूर्वी देशों ने इस समझौते का समर्थन किया है।
- कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित प्रमुख पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएँ भी इस घोषणा के हस्ताक्षरकर्ता हैं।
- विशेष रूप से, अमेरिका और चीन दोनों ने, अपने चल रहे तकनीकी विवादों के बावजूद, घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं।
- ब्रिक्स समूह से ब्राजील और भारत, और सिंगापुर, इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे आसियान देश हस्ताक्षरकर्ता देशों में से हैं।

ट्यूरिंग टेस्ट (Turing Test)

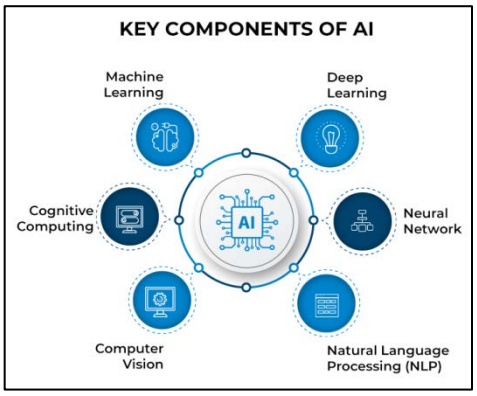

- ट्यूरिंग टेस्ट, जिसे मूल रूप से एलन ट्यूरिंग ने वर्ष 1950 में इमिटेशन गेम कहा था, मानव-जैसे बुद्धि युक्त व्यवहार प्रदर्शित करने की मशीनी क्षमता का मूल्यांकन करता है।
- ट्यूरिंग के आरंभिक विचार में एक मानव मूल्यांकनकर्ता शामिल था जो मानव और मशीन के बीच प्राकृतिक भाषा में बातचीत का आकलन करता है।
- मूल्यांकनकर्ता जानता है कि AI एक मशीन है, और भाषा पर निर्भरता से बचने के लिए इसका संचार टेक्स्ट-आधारित है।
- यदि मूल्यांकनकर्ता अपनी प्रतिक्रियाओं के आधार पर इसे मानव से अलग नहीं कर पाता है, तो मशीन ट्यूरिंग परीक्षण पास कर लेती है।
- यद्यपि यह परीक्षण मौखिक बातचीत तक ही सीमित नहीं है; यह मानव प्रदर्शन के सभी पहलुओं तक विस्तृत है, जिसमें अशाब्दिक या रोबोटिक व्यवहार भी शामिल है।
- ट्यूरिंग टेस्ट ने मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में अपने 1950 के पेपर "कंप्यूटिंग मशीनरी और इंटेलिजेंस" में अपने परीक्षण की शुरुआत की थी।
- वर्तमान समय में ट्यूरिंग परीक्षण के प्रभाव ने इसकी प्रशंसा और आलोचना दोनों को आकर्षित किया है, जिससे यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दर्शन में एक केंद्रीय अवधारणा बन गई है।
- जॉन सियरल के चीन के तर्क सहित आलोचनाओं ने बहस और विवाद को जन्म दिया है।

राष्ट्रीय कुशल पाक कला कार्यक्रम

सन्दर्भ: राष्ट्रीय कुशल पाक कला कार्यक्रम के शुभारंभ का उद्देश्य किफायती और ऊर्जा कुशल इंडक्शन कुकर के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

- राष्ट्रीय कुशल पाक कला कार्यक्रम (एनईसीपी) लागत प्रभावी खाना पकाने के समाधान के रूप में इंडक्शन-आधारित कुक-स्टोव का समर्थन करता है।
- ये कुक-स्टोव पारंपरिक खाना पकाने के तरीकों की तुलना में 25-30% लागत लाभ प्रदान करते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए बचत सुनिश्चित होती है।
- एनईसीपी का लक्ष्य पर्यावरण के अनुकूल खाना पकाने को बढ़ावा देने के लिए पूरे भारत में 2 मिलियन (20 लाख) इंडक्शन कुक-स्टोव उपलब्ध कराना है।
- साथ ही एनईसीपी का लक्ष्य खाना पकाने के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है, जिससे स्वच्छ हवा और मानव स्वास्थ्य में सुधार होगा।
- ईईएसएल (एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड) ने इंडक्शन कुकटॉप्स के बड़े पैमाने पर वितरण के लिए मॉडर्न एनर्जी कुकिंग सर्विसेज (एमईसीएस) के साथ साझेदारी की है।
- इससे भारतीय घरों में आधुनिक इलेक्ट्रिक खाना पकाने के उपकरणों की स्वीकार्यता और व्यापक उपयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

विद्युत इंडक्शन

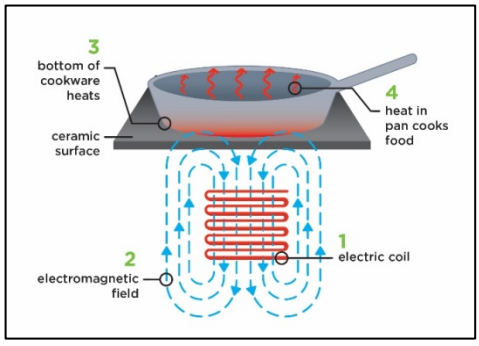

- विद्युत इन्डक्शन, जिसे चुंबकीय प्रेरण के रूप में भी जाना जाता है, एक कंडक्टर में चुंबकीय क्षेत्र के साथ संपर्क वाले वोल्टेज निर्माण को संदर्भित करता है।
- विद्युत चुम्बकीय प्रेरण (इंडक्शन) में तार की कुंडली के चारों ओर चुम्बकों की गति शामिल होती है, जिससे तार के भीतर विद्युत धारा का निर्माण होता है।
- यह चुम्बकों को उनके बीच तार की एक कुंडली को घुमाकर प्राप्त किया जा सकता है।
- इसमें चुंबक अपने उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के बीच बारी-बारी से घूमते हैं।
- जब दो चुम्बकों के उत्तरी ध्रुवों को एक साथ लाया जाता है, तो वे एक-दूसरे को प्रतिकर्षित करते हैं, जबकि दक्षिणी और उत्तरी ध्रुव आकर्षित होते हैं।
- चुम्बकों के बीच आकर्षण और प्रतिकर्षण के कारण वे तार की कुंडली के चारों ओर घूमते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विद्युत धारा उत्पन्न होती है।

इंडक्शन कुकर की कार्यप्रणाली

- **विद्युत चुम्बकीय**: एक इंडक्शन कुकर चालू होने पर एक उतार-चढ़ाव वाला एक चुंबकीय क्षेत्र बनाता है।
- **विशेष कुकवेयर (Cookware)**: कुकर पर उपयोग करने के लिए आपको चुंबकीय तल वाले कुकवेयर की आवश्यकता होती है।
- **एडी (Eddy) धाराएं**: उतार-चढ़ाव वाला चुंबकीय क्षेत्र कुकवेयर के भीतर घूमने वाली विद्युत धाराओं को प्रेरित करता है, जिन्हें एडी धाराओं के रूप में जाना जाता है।
- **उष्मा उत्पन्न होना**: एडी की धाराएं कुकवेयर को गर्म करके अपनी ऊर्जा को उष्मा के रूप में उत्सर्जित करती हैं।
- **कुकवेयर से भोजन तक**: गर्म कुकवेयर चालन के माध्यम से उष्मा तरल या हवा को संवहन के माध्यम से सीधे भोजन के अंदर स्थानांतरित करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

अनुकूलन गैप रिपोर्ट 2023

सन्दर्भ: UNEP ने हाल ही में अपनी अनुकूलन गैप रिपोर्ट 2023 जारी की है।

- अनुकूलन गैप रिपोर्ट UNEP (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम) द्वारा जारी एक वार्षिक आंकड़ा/दस्तावेज है।
- यह आमतौर पर वर्ष के अंत में होने वाले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से ठीक पहले प्रकाशित किया जाता है।
- यह रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन अनुकूलन प्रयासों का वैश्विक अवलोकन प्रस्तुत करती है।
- रिपोर्ट का वर्तमान संस्करण विशेष रूप से अनुकूलन वित्त के विषय पर प्रकाश डालता है, जो जलवायु अनुकूलन परियोजनाओं को लागू करने के लिए उपलब्ध वित्त को संदर्भित करता है।

मुख्य बातें

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न देशों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए आवश्यक वार्षिक वित्तपोषण $215 बिलियन से $387 बिलियन तक है, जबकि उन्हें केवल $21.3 बिलियन प्राप्त हो रहा है।
- अनुमान है कि विकासशील देशों को जलवायु अनुकूलन परियोजनाओं को लागू करने के लिए अगले दशक तक वार्षिक तौर पर 387 अरब डॉलर की आवश्यकता होगी, जो उनके संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद का 0.6% से 1% है।
- विकासशील देशों के लिए, केंद्रीय अनुकूलन वित्त अंतर वर्तमान में $194 बिलियन से $366 बिलियन प्रति वर्ष के बीच होने का अनुमान है।
- अनुकूलन वित्त आवश्यकताएँ वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन निधि प्रवाह की तुलना में 10-18 गुना अधिक हैं, जो पिछले अनुमानों से कम से कम 50% की वृद्धि दर्शाता है।
- जलवायु प्रभावों के तीव्र होने के बावजूद, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और अनुकूलन बढ़ाने के वैश्विक प्रयास कम हो रहे हैं।
- वर्ष 2050 तक अनुकूलन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है, विशेष रूप से उच्च-वार्मिंग परिदृश्यों के तहत, समुद्र के स्तर में वृद्धि के कारण तटीय सुरक्षा खर्च में वृद्धि होगी।
- पूर्व-औद्योगिक युग के बाद से दुनिया पहले ही 1.1 डिग्री सेल्सियस गर्म हो चुकी है, और वर्तमान जलवायु गतिविधियाँ पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त हैं।
- वर्ष 2023 में रिकॉर्ड स्तर पर जंगल की आग, बाढ़, गर्मी की लहरें और अन्य आपदाओं के साथ गंभीर चरम मौसम की घटनाएं देखी गईं।
- जलवायु अनुकूलन में प्रगति सभी मोर्चों पर धीमी हो रही है, और 2018 से 2020 तक की वृद्धि की अवधि के बाद, 2021 में विकासशील देशों में अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक जलवायु वित्त प्रवाह 15% कम होकर 21.3 बिलियन डॉलर हो गया।
- यह रिपोर्ट व्यापक जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जिसमें शमन, अनुकूलन, नुकसान और क्षति को संबोधित करना शामिल है।
- यद्यपि हानि और क्षति पर चर्चा और अनुकूलन प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकताएं पीछे रह गई हैं।
- COP 27 में, शामिल सभी देश हानि और क्षति प्रतिक्रिया के लिए एक फंड स्थापित करने पर सहमत हुए, लेकिन लचीलापन बढ़ाने के लिए वैश्विक लक्ष्य की रूपरेखा अभी भी लंबित है।
- वर्ष 2021 में, विश्व नेताओं ने COP 26 में वर्ष 2025 तक विकासशील देशों के लिए अनुकूलन वित्त को दोगुना करने का वादा किया था, लेकिन वित्तीय प्रतिबद्धताएं अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं।

मौद्रिक नीति अंतर्दृष्टि के लिए सर्वेक्षण

सन्दर्भ: RBI ने अपने द्विमासिक मौद्रिक नीति निर्णयों में सहायता के लिए दो प्रमुख सर्वेक्षण, 'परिवारों की मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण' और 'उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण' शुरू किए हैं।

परिवारों का मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण:

- यह सर्वेक्षण मूल्य और मुद्रास्फीति के व्यक्तिपरक आकलन को एकत्र करता है।
- इसमें भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली और तिरुवनंतपुरम सहित भारत के 19 प्रमुख शहर शामिल हैं।
- इस सन्दर्भ में गुणात्मक प्रतिक्रियाएँ अगले तीन महीनों और एक वर्ष के लिए मूल्य परिवर्तन के संबंध में परिवारों की अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- यद्यपि मात्रात्मक प्रतिक्रियाओं में वर्तमान मुद्रास्फीति दरें, अगले तीन महीनों और एक वर्ष में मुद्रास्फीति की संभावनाओं को शामिल करती हैं।
- यह सर्वेक्षण आरबीआई को यह समझने में मदद करता है, कि एक परिवार मुद्रास्फीति को कैसे समझते हैं, साथ ही इससे मूल्य स्थिरता पर सार्वजनिक भावना की जानकारी मिलती है।

उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण:

- यह सर्वेक्षण विभिन्न आर्थिक पहलुओं पर परिवारों की भावनाओं को मापता है।
- इसमें अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई और दिल्ली सहित 19 शहर शामिल हैं।
- यह सामान्य आर्थिक स्थितियों, रोजगार, मूल्य स्तर, घरेलू आय और खर्च पर प्रतिक्रिया का विश्लेषण करता है।
- इस सर्वेक्षण से आरबीआई को पूरे भारत में परिवारों की आर्थिक भलाई और भावनाओं के बारे में जानकारी हासिल करने में मदद मिलती है।

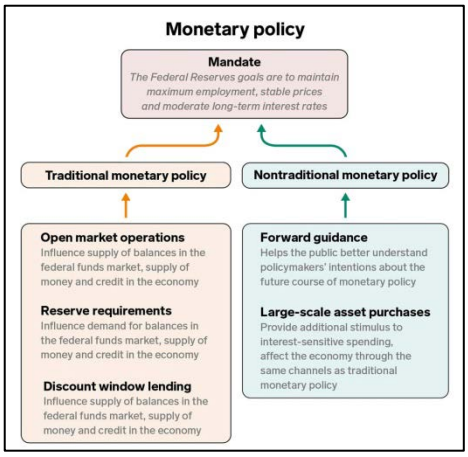

मौद्रिक नीति:

- मौद्रिक नीति ब्याज दरों, धन आपूर्ति और ऋण उपलब्धता के संबंध में केंद्रीय बैंक (भारत में आरबीआई की तरह) का एक दृष्टिकोण है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से देश में मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति को लागू करने के लिए रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, एसएलआर, सीआरआर आदि जैसे उपकरणों का उपयोग करता है।
- संक्षेप में, मौद्रिक नीति मूल्य स्थिरता बनाए रखने के अंतिम लक्ष्य के साथ ब्याज दरों, धन आपूर्ति और ऋण उपलब्धता को विनियमित करने के लिए इन उपकरणों का उपयोग करती है।
- सतत आर्थिक विकास के लिए मूल्य स्थिरता महत्वपूर्ण है और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना इसका एक प्रमुख पहलू है।
- भारत सरकार प्रत्येक पांच वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य निर्धारित करती है और आरबीआई इस प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- भारत में, मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), छह सदस्यीय समिति, मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नीतिगत ब्याज दर तय करती है।
- एमपीसी की वर्ष में कम से कम चार बार बैठक होती है, जिसमें चार सदस्यों का कोरम होता है। प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होता है, और बराबरी की स्थिति में गवर्नर के पास दूसरा वोट होता है।

- एमपीसी द्वारा अपनाए गए प्रस्तावों को प्रत्येक बैठक के बाद सार्वजनिक किया जाता है।
- रिज़र्व बैंक प्रत्येक छह महीने में मौद्रिक नीति रिपोर्ट भी प्रकाशित करता है, जो मुद्रास्फीति के स्रोतों को बताता है और आगामी 6-18 महीनों के लिए मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान लगाता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

वर्ल्ड फूड इंडिया 2023

भारत के प्रधान मंत्री आज नई दिल्ली में भरत मंडप में मेगा खाद्य कार्यक्रम 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करेंगे।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के बारे में:

- 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा आयोजित एक वैश्विक कार्यक्रम है जो भारत की खाद्य संस्कृति को प्रदर्शित करता है और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में वैश्विक निवेश आकर्षित करता है।
- यह कार्यक्रम पांच प्रमुख तत्वों पर केंद्रित होगा, जिसमें बाजरा, जैविक उत्पाद, स्वदेशी प्रसंस्कृत खाद्य, पोषण जागरूकता और खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।
- 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' आयुष के नवीन आयुष आहार उत्पादों को प्रदर्शित करेगा।
- देश भर के 18 स्टार्ट-अप आयुष मंत्रालय में 30 से अधिक आयुष उत्पाद प्रस्तुत करेंगे।

महादेई वन्यजीव अभयारण्य

हाल ही में 24 जुलाई, 2023 को बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गोवा सरकार को तीन महीने के भीतर महादेई वन्यजीव अभयारण्य और अन्य सटे हुए क्षेत्रों में बाघ अभयारण्य अधिसूचित करने का निर्देश दिया है।

महादेई वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:

- महादेई वन्यजीव अभयारण्य गोवा के उत्तरी भाग में, वालपोई के पास स्थित है।
- अभयारण्य में मनोहर झरने हैं, जिनमें प्रमुख वज्र सकला झरना और विरदी झरना शामिल हैं।
- **वनस्पति:** इसमें विभिन्न प्रकार के नम पर्णपाती और सदाबहार वनस्पतियों के साथ घने जंगल है, जिसमें दुर्लभ और स्वदेशी पेड़ों को संरक्षित करने वाले पवित्र उपवन शामिल हैं।
- **जीव-जन्तु :** अभयारण्य में भारतीय गौर, भौंकने वाला हिरण, सांभर हिरण, एशियाई पाम सिवेट, छोटी भारतीय बिल्ली, जंगली सूअर, भारतीय खरगोश आदि वन्यजीवों की विविधता पाई जाती है।
- **सरीसृप विज्ञानी का स्वर्ग:** अभयारण्य सरीसृप विज्ञानियों को भारतीय विषैले सांपों के सभी 'बड़े चार' - भारतीय क्रेट, रसेल वाइपर, सॉ-स्केल्ड वाइपर और स्पेक्टेक्ल्ड कोबरा के साथ आकर्षित करता है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

हाल ही में, यूएनईपी (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम) ने बताया है कि विकासशील देशों में अनुकूलन अंतर बढ़ रहा है, साथ ही चरम मौसम की घटनाएं भी बदतर होती जा रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम एक अग्रणी वैश्विक पर्यावरण प्राधिकरण है जिसकी स्थापना 1972 में की गई थी
- इसका मुख्यालय नैरोबी, केन्या में स्थित है।
- इसे वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संबंधी मामलों पर सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था माना जाता है।
- यूएनईपी के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन, आपदा और संघर्ष प्रबंधन, पर्यावरण प्रशासन, संसाधन दक्षता, रसायन और अपशिष्ट प्रबंधन तथा समीक्षाधीन पर्यावरण मुद्दे शामिल हैं।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वैश्विक पर्यावरण एजेंडा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर सतत विकास के पर्यावरणीय आयाम के सुसंगत कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए काम करता है।

अंटार्कटिक ओजोन छिद्र

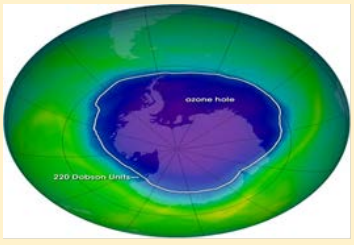

एनओएए और नासा की टिप्पणियों के अनुसार, हाल ही में, 21 सितंबर, 2023 को अंटार्कटिक ओजोन छिद्र 10 मिलियन वर्ग मील के अपने सबसे बड़े आकार तक बढ़ गया है।

अंटार्कटिक ओजोन छिद्र के बारे में:

- अंटार्कटिक ओजोन छिद्र एक ऐसा क्षेत्र है जहां ओजोन का स्तर 220 डॉब्सन इकाइयों की ऐतिहासिक सीमा से नीचे गिर जाता है।
- ओजोन परत पृथ्वी की प्राकृतिक सनस्क्रीन के रूप में कार्य करती है, जो हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है जो त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती हैं।

कारण:

- ओजोन क्षय मुख्य रूप से क्लोरीन और ब्रोमीन यौगिकों सहित रासायनिक पदार्थों के समताप मंडल में छोड़े जाने के कारण होता है, जिससे ओजोन अणु टूटने लगते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत चरणबद्ध तरीके से समाप्त होने से पहले क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) का उपभोक्ता उत्पादों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था।
- जनवरी 2022 में हंगा टोंगा-हंगा हाआपाई ज्वालामुखी (दक्षिण प्रशांत महासागर) के विस्फोट का 2023 में ओजोन छिद्र के आकार पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल:

1987 का मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संधि है जिसने ओजोन क्षयकारी पदार्थों के उत्सर्जन को सफलतापूर्वक कम कर दिया है, जिससे स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन परत की रिकवरी में योगदान दिया है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 November, 2023

प्रोटीनुरिया

प्रोटीनुरिया के बारे में:

- प्रोटीनुरिया मूत्र में असामान्य मात्रा में प्रोटीन, मुख्य रूप से एल्बुमिन की उपस्थिति को संदर्भित करता है।
- यह गुर्दे (kidney) की बीमारी का पता लगाने और निदान के लिए उपयोग किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण लक्षण है।
- नियमित परीक्षाणों में, मूत्र परीक्षण स्ट्रिप्स का उपयोग करके इसका गुणात्मक रूप से पता लगाया जा सकता है।
- सटीक जानकारी के लिए, मात्रात्मक माप किया जा सकता है, जिसे अक्सर प्रोटीन-से-क्रिएटिनिन अनुपात के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- सबसे सटीक माप गोल्ड स्टैंडर्ड टेस्ट है जिसमें प्रोटीन की मात्रा निर्धारित करने के लिए 24 घंटे का मूत्र नमूना लिया जाता है।
- प्रोटीनुरिया गुर्दे में सूक्ष्म वाहिकाओं (ग्लोमेरुली) को नुकसान का संकेत देती है, जहां एल्बुमिन जैसे प्रोटीन को आम तौर पर बनाए रखा जाना चाहिए।
- प्रोटीनुरिया को कम करने और गुर्दे की क्षति को धीमा करने के लिए विभिन्न दवाओं, जैसे एसीई इनहिबिटर्स, एआरबी, एसजीएलटी2 इनहिबिटर्स और एंटी-एल्डोस्टेरोन दवाओं का उपयोग किया जाता है।

ई-सिगरेट

ई-सिगरेट के बारे में:

- ई-सिगरेट को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट या वेपिंग डिवाइस के रूप में भी जाना जाता है।
- ई-सिगरेट में आमतौर पर एक बैटरी, एक एटमाइज़र और एक कार्ट्रिज होता है ईसमें लिक्विड पदार्थ होता है, जिसमें निकोटीन, फ्लेवरिंग और अन्य रसायन हो सकते हैं।
- हालांकि, यह पारंपरिक सिगरेट की तुलना में कम हानिकारक है, फिर भी निकोटीन की लत और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं जैसे जोखिम पैदा करते हैं।
- कुछ देशों ने ई-सिगरेट को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया है, जबकि अन्य ने बिक्री, विज्ञापन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाए हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विज्ञापन और फ्लेवरिंग पर प्रतिबंध लगाने सहित ई-सिगरेट के सख्त विनियमन की सिफारिश करता है।

निकोटीन के बारे में:

- निकोटीन एक पादप क्षार है जो तंबाकू के पौधे सहित विभिन्न पौधों में पाया जाता है।
- इसमें तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले शामक और उत्तेजक दोनों गुण होते हैं।
- कर्नाटक ने हाल ही में निकोटीन को विष की श्रेणी में वर्गीकृत किया है।

ई-सिगरेट में उपयोग:

- ई-सिगरेट में सीधे निकोटीन का उपयोग किया जाता है, ई-लिक्विड में इसकी सांद्रता 36 mg/mL तक होती है।
- नियमित सिगरेट में, निकोटीन सामग्री आमतौर पर 1.2 से 1.4 mg/mL के बीच होती है।

समाचारों में स्थान

कोझिकोड

केरल के कोझिकोड और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को क्रमशः साहित्य और संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हाल ही में यूनेस्को के क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (यूसीसीएन) में शामिल किया गया है।

कोझिकोड के बारे में:

- कोझिकोड, जिसे कालीकट के नाम से भी जाना जाता है, भारत के केरल राज्य में मालाबार तट पर स्थित है।
- कोझिकोड को यूसीसीएन में "साहित्य" श्रेणी में शामिल किया गया है।

ऐतिहासिक महत्व:

- इस शहर में एक समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत है, जो प्रमुख लेखकों के लिए जाना जाता है, जिसमें पहले मलयालम उपन्यास के लेखक अप्पू नेदुंगडी भी शामिल हैं, जिन्होंने 1887 में "कुंडलता" लिखी थी।

यूनेस्को के रचनात्मक शहर नेटवर्क के बारे में:

- यूसीसीएन की स्थापना 2004 में उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी जो सतत शहरी विकास के लिए रचनात्मकता को प्राथमिकता देते हैं।
- इसमें 100 से अधिक देशों के 350 शहर शामिल हैं और इसका उद्देश्य सांस्कृतिक उद्योगों की रचनात्मक, सामाजिक और आर्थिक क्षमता का दोहन करना है।
- यूसीसीएन शिल्प और लोक कला, डिजाइन, फिल्म, गैस्ट्रोनॉमी, साहित्य, मीडिया कला और संगीत सहित सात रचनात्मक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- कोझिकोड और ग्वालियर के अलावा, वाराणसी (संगीत), श्रीनगर (शिल्प और लोक कला) और चेन्नई (संगीत) भी नेटवर्क का हिस्सा हैं।

POINTS TO PONDER

- कौन सी भारतीय सहायता प्राप्त विकास परियोजना मोंगला बंदरगाह और खुलना रेल नेटवर्क को ब्रॉड-गेज रेल मार्ग के माध्यम से जोड़ती है? **- खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन**
- कौन से अधिनियम भुगतान एग्रीगेटर्स (पीए) और सीमा पार भुगतान से संबंधित निर्देशों को नियंत्रित करते हैं? **- भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007, और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999**
- CMIP6 का क्या अर्थ है? **- युग्मित मॉडल इंटरकंपेरिसन प्रोजेक्ट - 6**
- कृषि में किस क्षेत्र का योगदान 24.32% (2014-2015) से बढ़कर 30.87% (2020-21) हो गया है? **- पशुधन**
- NWR (नेगोशिएबल वेयरहाउस रिसीट) प्रणाली कब शुरू की गई थी? **- 2011**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com